आर्थिक सर्वेक्षण, दिल्ली 2016–17 : मुख्य बातें

दिल्ली की अर्थव्यवस्था

1. अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2016–17 के दौरान दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वर्तमान मूल्यों पर 622385 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है, जो 2015–16 की तुलना में 12.76 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
2. दिल्ली का निवल राज्य घरेलू उत्पाद (एनएसडीपी) 2016–17 के दौरान 565655 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है, जो 2015–16 की तुलना में 12.88 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
3. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की प्रधानता है, जिसका सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) में 2016–17 के दौरान 82.26 प्रतिशत योगदान रहा। इसके बाद माध्यमिक और प्राथमिक क्षेत्र का स्थान है।
4. दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान मूल्यों पर 2015–16 के दौरान 273618 रुपये के स्तर पर पंहुची, जबकि 2014–15 में यह 249004 रुपये और 2013–14 में 229518 रुपये थी। अग्रिम अनुमानों के अनुसार दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान मूल्यों पर 2016–17 के दौरान 303073 रुपये पर पहुंच जाने की संभावना है।
5. वर्तमान और स्थिर दोनों मूल्यों पर दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग 3 गुना अधिक थी।
6. दिल्ली सरकार की कर वसूली में 2016–17 (बजट अनुमान) के दौरान 20.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि 2015–16 (अनंतिम) में यह वृद्धि 13.61 प्रतिशत थी।
7. एकजुट प्रयासों की बदौलत 2015–16 के दौरान कुल कर वसूली 30225.16 करोड़ रुपये की रही, जिसमें 2014–15 की तुलना में 13.61 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई।
8. दिल्ली राजस्व अधिशेष की स्थिति निरंतर बनाए हुए है, जो 2015–16 (अनंतिम) के दौरान 8656 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2014–15 में यह 6075 करोड़ रुपये था। दिल्ली का राजस्व अधिशेष 2015–16 में जीएसडीपी का 1.57 प्रतिशत था, जो 2016–17 (बजट अनुमान) के दौरान घट कर 0.89 प्रतिशत रह गया।
9. वित्तीय बुद्धिमता की बदौलत रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का राजकोषीय अधिशेष 2015–16 में बढ़कर जीएसडीपी का 0.24 प्रतिशत हो गया, जो 2014–15 में 0.04 प्रतिशत था।
10. दिल्ली में सामाजिक क्षेत्र पर व्यय 10वीं पंचवर्षीय योजना में 48.79 प्रतिशत था, जो 11वीं पंचवर्षीय योजना में बढ़ कर 57.12 प्रतिशत और 12वीं पंचवर्षीय योजना के पहले 4 वर्षों में बढ़ कर 66.69 प्रतिशत हो गया।
11. डीवीएटी/बिक्री कर के अंतर्गत व्यापारियों की संख्या 2016–17 में बढ़कर 3.73 लाख (अनुमानित) हो गई, जो 2009–10 के दौरान 2.24 लाख थी।

जनसांख्यिकीय स्वरूप

12. 2011 की जनगणना के अनुसार 97.50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्र में रहती है।
13. दिल्ली का ग्रामीण क्षेत्र 2001 में 558.32 वर्ग किलोमीटर था, जो 2011 में घट कर 369.35 वर्ग किलोमीटर रह गया। दिल्ली में गांवों की संख्या 2001 में 165 थी, जो 2011 में घटकर 112 रह गई।
14. दिल्ली में आबादी का घनत्व 2001 में 9340 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, जो 2011 में बढ़ कर 11320 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया।
15. दिल्ली में नागरिक पंजीकरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत जन्म के अनुसार लिंग अनुपात 2001 में प्रति 1000 के लड़कों के पीछे 809 लड़कियां थीं, जो 2015 में बढ़कर 898 हो गया है। इससे एक रचनात्मक परिदृश्य बना है।
16. दिल्ली की जनसंख्या मार्च, 2011 में 167.88 लाख थी। 2001—2011 की अवधि में दिल्ली की दशकीय आबादी में बढ़ोतरी 20.96 प्रतिशत की दर से हुई, जबकि 1961—1991 की अवधि में यह करीब 50 प्रतिशत और 1991—2001 के दौरान 47 प्रतिशत थी।

वन और ग्रामीण विकास

17. दिल्ली में कुल वन और वृक्षाच्छादित क्षेत्र 2013 में 297.81 वर्ग किलोमीटर था, जो 2015 में बढ़कर 299.77 वर्ग किलोमीटर हो गया है। यह दिल्ली के कुल क्षेत्रफल का 20.22 प्रतिशत है।
18. दक्षिण दिल्ली जिले में वन आच्छादित क्षेत्र सबसे ज्यादा 82.14 वर्ग किलोमीटर, और पूर्वी दिल्ली जिले में वन आच्छादित क्षेत्र सबसे कम 3.28 वर्ग किलोमीटर है। दिल्ली में पिछले दशक में वृक्षारोपण में करीब दोगुणा वृद्धि हुई है।
19. सकल फसल क्षेत्र 2000—01 के दौरान 52816 हेक्टेयर था, जो 2015—16 में घट कर 33454 हेक्टेयर रह गया। इस कमी के मुख्य कारणों में तीव्र शहरीकरण और विशेषकर पिछले दो दशकों में व्यावसायिक पैटर्न में बदलाव है।
20. दिल्ली में पशु चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए 2015—16 में 49 सरकारी पशु चिकित्सालय, 26 पशु चिकित्सा औषधालय और 2 प्रयोगशाला/अनुसंधान केंद्र हैं।

विद्युत और उद्योग

21. दिल्ली में विद्युत आपूर्ति 2005—06 के दौरान 23537 मिलियन यूनिट थी, जो 2015—16 में बढ़ कर 33615 मिलियन यूनिट हो गई।
22. दिल्ली में विद्युत उपभोक्ताओं की कुल संख्या 2015—16 में 52.62 लाख थी। पिछले 10 वर्षों में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या में 85.43 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।
23. व्यस्तता के समय विद्युत की मांग 2005—06 में 3626 मेगावाट थी जो 2015—16 में बढ़ कर 5846 मेगावाट हो गई।
24. बिजली की खपत में करीब 3.39 प्रतिशत की वर्षिक वृद्धि दर्ज हुई है।

25. दिल्ली में **कुल तकनीकी और वाणिज्यिक (एटी एंड सी) घाटा** 2015–16 में घट कर 12.15 प्रतिशत रह गईं, जो उससे पहले 52 प्रतिशत थीं।
26. दिल्ली में 2013 में कराई गई छठी आर्थिक गणना के अनुसार 8.75 लाख कुल प्रतिष्ठान थे, जिनमें से केवल 1.42 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में और 98.58 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में थे।
27. छठी आर्थिक गणना में प्रतिष्ठानों की संख्या में 1.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ जबकि पूर्ण संदर्भ में 2005 में कराई गई 5वीं आर्थिक गणना की तुलना में 1,17,565 प्रतिष्ठानों की बढ़ोतरी हुई।
28. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में माध्यमिक क्षेत्र के अंतर्गत सर्वाधिक योगदान विनिर्माण उप–क्षेत्र का है, चूंकि विनिर्माण क्षेत्र से आय 2011–12 में 18907 करोड़ रुपये थी, जो 2016–17 में बढ़ कर 45689 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।
29. दिल्ली में चालू फैक्ट्रियों की संख्या 2007 में 7793 थी, जो 2015 में बढ़ कर 8954 हो गईं।

परिवहन

30. दिल्ली में मोटरवाहनों की कुल संख्या 31 मार्च, 2016 को 97.05 लाख पर पहुंच गई, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 9.94 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई।
31. दिल्ली में सड़क नेटवर्क 2007–08 में 32131 लेन किलोमीटर था, जो 2015–16 में बढ़कर 33868 लेन किलोमीटर हो गया।
32. डीएमआरसी का मौजूदा नेटवर्क फेज–3 का कार्य पूरा हो जाने के बाद बढ़कर 325 किलोमीटर हो जाएगा।
33. डीएमआरसी में दैनिक औसत यात्री संख्या 2014–15 में 23.86 लाख थी, जो 2015–16 के दौरान बढ़कर 26 लाख हो गई।
34. दिल्ली में 93 मेट्रो फीडर मार्गों पर 517 मिनी बसें चलाई जानी हैं, जिनमें से 43 मार्गों पर 291 मिनी बसें चल रही हैं, जिससे लोगों को निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने में मदद मिल रही है। सभी बसें जीपीएस सुविधा से युक्त हैं।
35. दिल्ली में 9 कलस्टरों के अंतर्गत प्राइवेट सेक्टर कार्पोरेट कैरिज आपरेटरों द्वारा 1700 बसें प्रचालित की जा रही हैं।

आवास और जलापूर्ति

36 दिल्ली में जलापूर्ति और वितरण दिल्ली जल बोर्ड द्वारा किया जाता है। 31 मार्च, 2016 को दिल्ली जल बोर्ड की कुल उपचार क्षमता 12 जल उपचार संयंत्रों के साथ 906 एमजीडी थी।
37. दिल्ली में 20 किलो लीटर प्रति माह तक पानी की खपत करने वाले उन सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 01.03.2015 से शत प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है जिनके मीटर चालू हालत में हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को पानी के बिलों के भुगतान से पूरी तरह छूट दी गई है।
38. दिल्ली जल बोर्ड की मल जल उपचार क्षमता 31 मार्च, 2016 को 607 एमजीडी है, जबकि केवल 74 प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल हो रहा है।

39. दिल्ली जल बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए जल कनेक्शनों की कुल संख्या 2009–10 की 17.85 लाख से बढ़ कर 2015–16 में 23.21 लाख हो गई।
40. दिल्ली की 98 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है। शहर में लगभग शत प्रतिशत विद्युतीकरण है और 99 प्रतिशत परिवारों को स्वच्छता सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं।
41. डीयूएसआईबी ने द्वारका, सुलतानपुरी और सवादा घेवरा में आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के लिए 10684 फ्लैटों का निर्माण किया है। भलस्वा में 7400 ईडब्ल्यूएस फ्लैट निर्माणाधीन हैं, जिनका निर्माण कार्य 31.03.2017 तक पूरा हो जाने की संभावना है।
42. डीएसआईआईडीसी ने जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत 13820 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण किया है और दिल्ली में विभिन्न स्थानों जैसे पूठ खुर्द, बापरौला, बवाना, नरेला, घोघा और भोरगढ़ में 28080 ईडब्ल्यूएस फ्लैट निर्माणाधीन हैं।
43. डीयूएसआईबी ने 266 रैन बसेरे स्थापित किए हैं, ताकि बेघर आबादी को आश्रय प्रदान किया जा सके। इन रैन बसेरों की कुल क्षमता 2016–17 के दौरान बढ़ कर 21724 हो गई।

<u>शिक्षा</u>

44. दिल्ली में अच्छी क्वालिटी के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तथा अनुसंधान और उच्च शिक्षा केंद्र स्थित हैं। दिल्ली की पुरुष/महिला साक्षरता क्रमशः 90.9 प्रतिशत और 80.8 प्रतिशत है।
45. दिल्ली में साक्षरता की दर करीब 86 प्रतिशत है, जो 2011 की जनगणना के अनुसार अखिल भारतीय स्तर की 74 प्रतिशत की दर से काफी ऊंची है।
46. दिल्ली सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में निवेश में महत्वपूर्ण इजाफा किया है और शिक्षा के लिए बजट राशि 2011–12 की 4799 करोड़ रुपये से बढ़ कर 2016–17 में 10690 करोड़ रुपये हो गई। सरकार के लिए शिक्षा क्षेत्र सर्वाधिक वरीयता वाला क्षेत्र है, जिसकी हिस्सेदारी 2016–17 के बजट में सबसे अधिक यानी 23 प्रतिशत थी।
47. 2016–17 में शिक्षा पर व्यय दिल्ली के सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 1.72 प्रतिशत था, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सर्वाधिक था।
48. दिल्ली में सरकार द्वारा प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष शिक्षा व्यय 2012–13 में 29641 रुपये था, जो 2015–16 में बढ़ कर 44640 रुपये हो गया।
49. दिल्ली में स्कूलों की कुल संख्या 2010–11 में 5073 थी, जो 2015–16 में बढ़ कर 5796 हो गई।
50. दिल्ली के स्कूलों में विद्यार्थियों के दाखिलों की संख्या 2010–11 में 39.21 लाख थी, जो 2015–16 में बढ़ कर 44.30 लाख हो गई। 2015–16 में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात बढ़कर 30 पर पहुंच गया।
51. दिल्ली सरकार के अंतर्गत 1222 सरकारी और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूल हैं, जो दिल्ली में संचालित कुल स्कूलों का 21 प्रतिशत हैं, जबकि सरकारी और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों की दाखिलों में हिस्सेदारी 2015–16 के दौरान कुल दाखिलों का 37.86 प्रतिशत थी।
52. दिल्ली के 54 स्कूलों को प्रायोगिक आधार पर मॉडल स्कूलों में विकसित किया जा रहा है।

53. दिल्ली में तकनीकी संस्थानों में विद्यार्थियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो 2015–16 में बढ़कर 32250 हो गई, जबकि 2014–15 में यह 27622 थी। दिल्ली में विद्यार्थियों की संख्या में 2010–11 से 2015–16 की अवधि में करीब 36 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

स्वास्थ्य

54. दिल्ली के स्वास्थ्य क्षेत्र ढांचे के अंतर्गत 1507 औषधालय, 1057 नर्सिंग होम, 265 प्रसूति गृह, 69 पोलीक्लिनिक्स/स्पेशल क्लिनिक्स, 94 अस्पताल और 17 मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।
55. दिल्ली के अस्पतालों में बिस्तरों की कुल संख्या 2010 में 41706 थी, जो 2015–16 में बढ़ कर 49969 हो गई। इस तरह इसी अवधि के दौरान आबादी–बिस्तर अनुपात (प्रति 1000 व्यक्तियों पर बिस्तर) 2.54 से बढ़कर 2.76 हो गया।
56. दिल्ली में वर्ष 2015 के लिए महत्वपूर्ण संकेतक जैसे शिशु मृत्यु दर, नवजात मृत्यु दर, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर क्रमशः 24 (सीआरएस), 15 (सीआरएस) और 24 (एसआरएस) रहे, जो अखिल भारतीय स्तर के क्रमशः 40, 16, 29 की तुलना में कम थे।
57. दिल्ली में 2015 में कुल जन्मों में से करीब 84.41 प्रतिशत जन्म अस्पतालों में हुए।
58. दिल्ली में अपरिपक्व मृत्यु दर भी समूचे देश की तुलना में सबसे कम है और जीवन संभाव्यता सबसे अधिक है, जो करीब 72 वर्ष है।
59. दिल्ली में स्वास्थ्य पर प्रति व्यक्ति खर्च 2015–16 में बढ़ कर 2999 रुपये हो गया, जो 2009–10 में 1243 रुपये था।
60. दिल्ली में 5100 आशा वर्कर काम कर रही हैं। एक आशा का चयन 2000 की आबादी पर किया जाता है।

सामाजिक सुरक्षा और कल्याण

61. दिल्ली में 95 आईसीडीएस परियोजनाओं के अंतर्गत 10897 आंगनवाड़ी केंद्रों का नेटवर्क है, जो आर्थिक दृष्टि से पिछड़े परिवारों के 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों और गर्भवती तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की 11.98 लाख आबादी को कवर करते हैं।
62. वित्तीय वर्ष 2016–17 (दिसंबर, 2016 तक) करीब 3.82 लाख वरिष्ठ नागरिकों को मासिक वृद्धावस्था पेंशन दी गई। जबकि 2015–16 के दौरान करीब 3.88 लाख वरिष्ठ नागरिकों को मासिक वृद्धावस्था पेंशन दी गई थी।
63. मार्च, 2016 तक लाडली योजना के अंतर्गत करीब 8.2 लाख बालिकाओं का पंजीकरण किया गया और 132071 बालिकाओं ने अंतिम परिपक्वता मूल्य हासिल किया।
64. 2015–16 के दौरान 158603 लाभार्थियों को पेंशन वितरित की गई और योजना कार्यक्रम 'मुसीबत में फंसी महिलाओं यानी विधवा, तलाकशुदा, न्यायिक दृष्टि से पृथक और निस्सहाय महिलाओं को पेंशन' के अंतर्गत रुपये 267.58 करोड़ खर्च किए गए।
65. 2015–16 के दौरान 'भिन्न दृष्टि से सक्षम व्यक्तियों को वित्तीय सहायता' कार्यक्रम के अंतर्गत करीब 61000 दिव्यांग व्यक्तियों को मासिक वित्तीय सहायता दी गई। 2016–17 (दिसंबर,

2016 तक) में इस कार्यक्रम के अंतर्गत करीब 70000 व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

66. 2015–16 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 90 मनोरंजन केंद्र काम कर रहे थे, जिसके लिए दिल्ली सरकार प्रति केंद्र की स्थापना हेतु 75000 रुपये और प्रचालन व्यय के लिए 20000 रुपये प्रदान कर रही है।

67. वर्ष 2015–16 में राष्ट्रीय परिवार लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत करीब 5400 परिवारों को रु. 10000 प्रति परिवार की दर से वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

68. दिल्ली सरकार कक्षा 1 से 12वीं तक के अजा/अजजा/अपिव/अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को स्टेशनरी खरीदने, स्कॉलरशिप/योग्यता स्कॉलरशिप के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। दिल्ली सरकार पब्लिक स्कूलों में पढ़ने वाले अजा/अजजा/अपिव/अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस की अदायगी भी करती है।

69. दिल्ली सरकार कॉलेज/विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले अजा/अजजा/अपिव/ अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित विद्यार्थियों को मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान करती है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली

70. दिल्ली राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने 1 सितंबर, 2013 से इस विधेयक को लागू किया।

71. इस कार्यक्रम के अंतर्गत 19.50 लाख पात्र परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा स्मार्ट कार्ड जारी किए गए हैं और लगभग सभी डिजिटल खाद्य सुरक्षा कार्ड आधार से जोड़े गए हैं।

72. दिल्ली में मार्च, 2016 तक उचित दर दुकानों की संख्या 2283 थी और प्रत्येक उचित दर दुकान औसतन 854 राशनकार्डों के लिए सेवाएं प्रदान कर रही थी।